शिक्षकों को आपस में अकादमिक चर्चाओं में सहयोग हेतु

चर्चा पत्र

अप्रैल, 2023
अष्ठम वर्ष अंक 11

समर कैम्प
सीखने-सिखाने की बेहतर जगह

राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़

मार्च के चर्चा पत्र एजेंडा 7 में 'ग्रीष्म अवकाश के दौरान किस तरह के कार्य किये जा सकते हैं?' के मुद्दे पर बात कही गई थी। **समुदाय की मदद से बच्चों के साथ विभिन्न गतिविधियाँ स्वेच्छिक रूप से किस तरह से की जा सकती है?** इन सभी बातों का इस अंक में ज़िक्र किया गया है जिसे पढ़कर आप इस कार्य को बच्चों के साथ कर सकते हैं।

प्रस्तावना

अधिकांशतः बच्चे ग्रीष्मकालीन छुट्टियों का बेसब्री से इंतज़ार करते हैं ताकि वे अपने मन-पसंद कार्यों व गतिविधियों में शामिल हो सकें। इन गतिविधियों में शामिल होकर बच्चे बहुत कुछ सीख रहे होते हैं। हालांकि एक पालक एवं शिक्षक के रूप में प्रायः हम इस सीखने को बहुत महत्व का नहीं मानते हैं। हमें लगता है कि सीखना तो केवल स्कूल में ही होता है वह भी तब; जब शिक्षक कक्षाकक्ष में मौजूद रहकर किसी प्रक्रिया को संचालित करे। सीखने को प्रायः पढ़ने-लिखने तक ही सीमित कर दिया जाता है और यह सीखना अक्सर नीरस, उबाऊ और कक्षा तक ही सीमित माना जाता रहा है। हाल ही के वर्षों में इस मिथक में कुछ कमी देखने को आयी है। फिर भी एक बड़ा वर्ग है जो इसे आज भी सीखने को कक्षा तक सीमित मानता है तथा अधिकांश माता-पिता, ज्यादातर लोग और बहुत से शिक्षक भी इन बातों को ही मानते रहे हैं। अनुभव में यह आया है कि स्कूल आने से पहले बच्चे अपने आस-पास, ग्राम, शहर, जंगल आदि से कुछ सीख कर आते हैं। इसे औपचरिक रूप से आगे बढ़ाने में शिक्षक साथियों की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। जो कुछ जानते समझते हैं उसे लेकर कक्षा के बाहर कहीं पेड़ की छाँव में, कहीं छायादार चौपाल में, कैंप के माध्यम से सीखना कई मायनों में सीखने को लेकर एक नयी दृष्टि देता है। गर्मी की छुट्टियों में हल्के -फुल्के वातावरण में सुबह के गीत, खेल, फिर भाषा और गणित सीखने का मज़ेदार वातावरण और अंत में प्रतिदिन कुछ नयी बातें सीखना यथा ओरिगैमी, मिट्टी के कार्य, मुखौटा निर्माण, नृत्य कला, पेंटिंग, अभिनय, आर्ट एंड क्राफ्ट, रंगोली, मेहंदी, तिरी पासा, लूडो, सांप-सीढ़ी जैसे खेल और अंतिम दिवस पर सब मिलाकर सांस्कृतिक कार्यक्रम और सीखी हुई कला एवं कार्यों को माता-पिता के साथ साझा करना... यही है समर कैम्प। किसी समय में यह साधन संपन्न स्कूलों तक ही सीमित होता था परन्तु कुछ वर्षों से अधिकांश शासकीय स्कूलों में यह अपनी पहचान बना चुका है। आइये इसके संचालन से संबंधित बातों की चर्चा करें।

सीखना-सिखाना केंद्र

यह केंद्र प्रत्येक ग्राम, शहर, कस्बे में एक ऐसा स्थान होगा जहां शिक्षक, पूर्व विद्यार्थी, वालंटियर, एन.एस.एस., एन.सी.सी., स्काउट या ग्राम के अन्य युवा साथी, आंगन बाड़ी के सदस्य, विभिन्न संस्थाओं से जुड़े सदस्य, अन्य जागरूक साथी मिलकर विविध गतिविधियों के संचालन में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। समर कैम्प में सीखना, खेलना, गीत गाना, कहानी सुनना-सुनाना, अभिनय करना आदि गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को एक आनंदमयी वातावरण में सीखने में सहयोग करना ही इस शिविर का उद्देश्य है ।

एक रूढ़िवादी कक्षा संस्कृति की एकरसता को तोड़ने की दिशा में विद्यार्थियों का बड़े एवं छोटे समूह का मिश्रण, मिलकर कार्य करना, एक दूसरे से सीखने की संस्कृति का समावेशन; सीखने की प्रक्रिया को एक स्त्रोत से हटाकर विभिन्न अवसरों में बदलने वाला होता है। सामाजिक-भावनात्मक संतुलन, मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान (गणित, हिंदी) पर ध्यान केंद्रित करने वाली विभिन्न गतिविधियाँ भी इसका एक भाग होंगी। ग्राम, शहर, निजी एवं शासकीय विद्यालयों के सभी नौनिहाल इस शिविर का हिस्सा होंगे। " सीखना केवल कक्षा - कक्ष में होता है " इस मान्यता को तोड़ने में भी मदद मिलेगी।

शिविर के उद्देश्य

- सीखने में रचनात्मक एवं सृजनात्मक माहौल के महत्व को समझना।
- मूलभत साक्षरता और संख्या ज्ञान के लिए आधार तैयार करना।
- सभी बच्चों को खेलने, सीखने और रचनात्मक लेखन के मौके कैसे उपलब्ध हों? इस प्रक्रिया को समझना।
- स्थानीय सहयोग से बच्चों व युवा साथियों को अभिव्यक्ति और रचनाशीलता से जोड़ना।
- विभिन्न विषमताओं से परे, बचपन का सहज आनंद लेना और सीखना।

शिविर संचालन का समय
प्रात : 8.00 से 10.30 बजे.

शिविर आयोजन तिथि
मई माह- प्रथम, द्वितीय सप्ताह या सुविधानुसार ग्रीष्मकालीन अवकाश में।

स्थान
ग्राम का छायादार स्थान
(स्कूल, बड़ा सा प्रांगण, हॉल आदि)
नोट : मूलभूत सुविधाएँ हों
(शौचालय, पीने के पानी की व्यवस्था)

प्रक्रिया
आयोजक सदस्य द्वारा एक-दो दिन पूर्व बैठक कर बच्चों को आमंत्रित करना, माता पिता को जानकारी देना, भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना। समुदाय को भी प्रतीभाग करने के लिए प्रोत्साहित करना।

दिवस 1

सर्कल टाइम
8.00 से 8.30

गोल घेरे में गीत, सबका परिचय, नाम आदि संगीत का आनंद लेना, सीखने-सिखाने हेतु माहौल निर्माणका समय।

भाषा की दुनिया
8.30 से 9.00

स्थानीय कहानी का वाचन, अभिनय, हाव-भाव से किसी टी.एल.एम. के माध्यम से प्रस्तुत करना, हस्त पुस्तिका निर्माण व लेखन हेतु सुझाव। उदाहरण के लिए कक्षा 2 की कहानी भालू ने खेली फुटबाल या कोई नई कहानी को अच्छे से प्रस्तुत करना (कठपुतली, मुखौटे या किसी भी रचनात्मक टीएलएम द्वारा)।

गणित के खेल
9.00 से 9.30

संख्या पूर्व अवधारणा : वस्तुओं के गुणों के आधार पर तुलना करना, मिलान करना, छांटना और गिनती करना, ज़माना - कुछ ठोस वस्तु जैसे - पेन्सिल, मोम के रंग(क्रेयांस), कलर पेपर, न्यूज़ पेपर, कंचे, कंकड़ का उपयोग कर सकते हैं।

कला की दुनिया
9.30 से 10.30

पुस्तिका निर्माण : A-4 आकार के 3 पेपर लेकर उन्हें मध्य से मोड़ दें और किनारे पर स्टेपलर से 3 पिन स्टेपल करें, एक छोटी 6 पेज की हस्त पुस्तिका तैयार है। इसका उपयोग प्रतिदिन कुछ लिखने में करेंगे, चित्र भी बना सकते हैं किन्तु साथ में बातचीत और लेखन को भी नियमित स्थान देना है।

दिवस 2

सर्कल टाइम
8.00 से 8.30

गोल घेरे में गीत, सबका परिचय, नाम आदि संगीत का आनंद लेना, सीखने-सिखाने हेतु माहौल निर्माणका समय।

भाषा की दुनिया
8.30 से 9.00

बच्चों से पहले दिन सुनी गई कहानी को पुनः सुनना। उस कहानी में आए शब्दों को लेकर बात करना, इसी तरह की किसी अन्य कहानी का लेखन, रचनात्मक लेखन के अवसर देना, किसी थीम पर लिखना जैसे खेत, तालाब, नदिया, बादल, आदि।

गणित के खेल
9.00 से 9.30

तीली, बंडल से गिनना, बीजों से आकृति निर्माण, गिनना, क्रम से रखना आदि।
संख्या बोध : 1 से 20 तक की संख्याओं को लिखकर उसके ऊपर संख्या अनुसार कंचे या कंकड़ जमाना और संख्या पहचान करवाना।
फर्श पर 1 से 20 तक की संख्या को अलग-अलग बॉक्स में लिखना और बच्चों को बोली गई संख्या अनुसार कूदने का खेल खिलवाना, (इसी गतिविधि को आगे बढ़ते हुए बड़े से छोटे क्रम, छोटे से बड़े क्रम, सम और विषम संख्या और बड़ी या छोटी संख्या पर कूदने का खेल खेलवाया जा सकता है)।

कला की दुनिया
9.30 से 10.30

मिट्टी के कार्य, खिलौने बनाना, फल, सब्जी आकृतियों के मॉडल बनाना। चूल्हा, गैस, जानवर आदि अपनी रूचि से बनाना।
रचनात्मक गृहकार्य – आज की कहानी कैसी लगी?, एक कहानी दादी-नानी से सुनकर लिख कर लाएँ।

दिवस 3

सर्कल टाइम
8.00 से 8.30

गोल घेरे में गीत, बाल गीत, सीखने-सिखाने हेतु माहौल निर्माणका समय।

भाषा की दुनिया
8.30 से 9.00

स्थानीय कहानी, जनऊला, पहेली, स्थानीय त्यौहार की जानकारी एकत्र करना और अपनी रूचि से लिखना। बच्चे अपने परिवेश से जुड़ी कहावतों और जनऊला कहते जाएंगे। शिक्षक या विद्यार्थी इन्हें संकलित कर ड्राइंग शीट में लिखते जाएंगे।

गणित के खेल
9.00 से 9.30

जोड़ना और घटाना : दिवस 1
छोटे समूह में माचिस की तीलियों, पेन्सिल, लकड़ी, के माध्यम से संख्याओं को प्रदर्शित करना, तत्पश्चात उन्हें जोड़ना और घटाना।
पॉकेट बोर्ड, डाइन्स ब्लॉक के माध्यम से छोटे-छोटे समूह में स्तर अनुसार जोड़ना और घटाना।
गणित की अवधारणा :- ठोस वस्तुओं से अमूर्तता तक, ज्ञात से अज्ञात तक गतिविधियों और कार्यपुस्तिका (work sheet) के माध्यम से पहुँचना, जोड़ना -घटाना सीखना।

कला की दुनिया
9.30 से 10.30

चित्र बनाकर रंग भरना, क्रेयोंस के रंग (मोम रंग) या पेंसिल के रंग आदि से छोटे बच्चों को थीम आधारित कार्य दे सकते हैं जैसे कप, गिलास का चित्र बनाकर रंग भरें।
रचनात्मक गृहकार्य - छोटे बच्चों को चित्र बनाकर उनके बारे में लिख कर लाना है। बड़े बच्चे आज के कार्य से जुड़े जनऊला, स्थानीय त्यौहार, बदलता हुआ मौसम आदि पर लिखेंगे।

दिवस 4

सर्कल टाइम
8.00 से 8.30

गोल घेरे में गीत, बाल गीत एवं अभिनय , मूक अभिनय, सीखने-सिखाने हेतु माहौल निर्माण का समय।

भाषा की दुनिया
8.30 से 9.00

भालू ने खेली फुटबाल कहानी में आए शब्दों जैसे दादा जी, सुबह, माली, कोहरा, धुंध, जंगल, जामुन, पेड़, पगडण्डी आदि शब्दों को जोड़ कर नई कहानी बनाना, वाक्य निर्माण करना, दो या तीन समूह में बाँट कर कार्य करना, जो बच्चे अपने विचार लिख सकते हैं उन्हें उनके स्तर से आगे का चुनौतीपूर्ण कार्य देना है।

गणित के खेल
9.00 से 9.30

जोड़ना और घटाना : दिवस 2
छोटे समूह में माचिस की तीलियों, पेन्सिल, लकड़ी, के माध्यम से संख्याओं को प्रदर्शित करना और उनका जोड़ना-घटाना।
पॉकेट बोर्ड, डिन्स ब्लॉक के माध्यम से छोटे-छोटे समूह में स्तर अनुसार जोड़ना और घटाना।
गणित की अवधारणा :- ठोस वस्तुओं से अमूर्तता तक, ज्ञात से अज्ञात तक गतिविधियों, कार्यपुस्तिका के माध्यम से पंहुचना, जोड़ना और घटाना।

कला की दुनिया
9.30 से 10.30

Thumb painting, palm painting, [watercolor]
उंगलियों के ऊपरी हिस्सों पर रंग लगाकर कागज में चिन्ह बनाएँ या पंजों को रंग से भिगो कर हथेली का चिन्ह बनाएँ फिर इन चिन्हों को क्रेयोंस, पेंसिल की सहायता से कुछ आकार दें।
रचनात्मक गृहकार्य - कहानी निर्माण करना, अपनी बात कहना, शिक्षक साथी अपने परिवेश के कुछ सवाल दें, जैसे क्या सभी महिलाएं सायकल चलाती हैं? हमारे गाँव में पीने का पानी, नियमित उपयोग का पानी क्या सबको मिलता है? आदि।

दिवस 5

सर्कल टाइम
8.00 से 8.30

गोल घेरे में गीत, बाल गीत एवं अभिनय, मूक अभिनय, सीखने-सिखाने हेतु माहौल निर्माण का समय।

भाषा की दुनिया
8.30 से 9.00

इसी कहानी को पुनः अभिनय (बच्चों व शिक्षक द्वारा) या कविता के रूप में बदल कर पुनः हाव-भाव के साथ प्रस्तुत करना है, यहाँ पर हम आश्वश्त होना चाहेंगे कि बच्चों को समझने का पर्याप्त अवसर मिल गया है।

गणित के खेल
9.00 से 9.30

जोड़-घटाना - मौखिक गणित का दिन : ठोस वस्तुओं को प्रदर्शित करके उन्हें सामने से हटा देना फिर अलग- अलग समूह से प्रश्न करना। इबारती सवाल निर्माण करवाना। जैसे 8+15= ? इन्हें अपने शब्दों में प्रश्न की तरह बदलने को कहें। विभिन्न तरह से जोड़ना या घटाना – 250+130 को कितने तरह से जोड़ सकते हैं? विस्तारित रूप में बदल कर जोड़ना।

कला की दुनिया
9.30 से 10.30

Vegetable painting - भिंडी को आधा काटें, प्याज़ को आधा काटें, शिमला मिर्च को काटें, आलू को आधा काट कर उसके अंदर सितारे या अन्य आकृति बनाएँ, करेले को आधा काटें, इन्हें रंग में डुबाकर आकृति बनाएँ।
रचनात्मक कार्य : हस्त पुस्तिका निर्माण और एक पेज में एक तरफ अपनी बातों को लिखना, बाल अखबार की तैयारी करवाना।

दिवस 6

सर्कल टाइम
8.00 से 8.30

गोल घेरे में गीत, बाल गीत करवाना, अभिनय, मूक अभिनय, सीखने-सिखाने हेतु माहौल निर्माण का समय।

भाषा की दुनिया
8.30 से 9.00

कार्ड झपट खेल : यह भाषाई खेल है। इसमें हम शब्दों को बड़े-बड़े अक्षर में ड्राइंग शीट पर लिख कर कक्षा में रख देते हैं। चॉक से घेरा बनाकर उसके अन्दर 4 या 5 कार्ड्स को रखते हैं, अब तीन चार बच्चों को चुनौती देते हैं कि कौन जाकर शब्द पढ़ कर उठा कर लाएगा। विशेष – यदि बच्चे सहजता से पढ़ लेते हैं तो उसे वाक्य में बदलेंगे, जो वाक्य बना लेंगे उसे उस शब्द से जुड़ी कुछ और बातों को बताने कहेंगे, इस तरह एक गतिविधि से हम कई स्तर पर कार्य कर सकते हैं।

गणित के खेल
9.00 से 9.30

गुणा एवं भाग : दिवस 1
2-2 बच्चों के 5 समूह बनाना और उन्हें यह पूछना कि जो भी वस्तु को हम ले रहे हैं वह कितनी है? जैसे- एकत्रित कंकड़, पत्थर , लकड़ी द्वारा बार-बार जोड़ना और उसे गुणा करने के आधार तक ले जाना।
कुछ ठोस चीज़ जैसे, कंचे, कंकड़, पत्ते इनके अलग-अलग समूह बनाना और फिर कितने समूह और कितने कंचे/कंकड़/पत्ते हुए? यह बताना, जैसे 4-4 पत्तों के 8 समूह मिलाओ तो 32 पत्ते हुए, उसको हम 4x8=32 कहते हैं।
इसी तरह भाग के लिए बराबर बांटना, लगातार घटाने की अवधारणा को बता सकते हैं। जैसे 28 को 4 बराबर भाग में बांटना है तो बच्चों को 28 कंचे को 4 अलग-अलग गोलों में बराबर बाँट कर रखने कह सकते हैं या 28 कंचे/ तीलियों से 4 का समूह कितने बार घटा सकते हैं?
गुणा और भाग की वर्कशीट (कार्यपुस्तिका) का प्रयोग करना और अलग-अलग समूह के स्तर अनुसार कार्य करना।

कला की दुनिया
9.30 से 10.30

ऑरीगेमी – रंगीन कागजों से, झालर, जालीदार नक्काशी, विभिन्न खिलौने, गुड़िया, जानवर आदि बनाना (अरविन्द गुप्ता टॉय़ज़ – यू ट्यूब पर उपलब्ध है)
शेष रंगीन काग़ज़ों के टुकड़ों को संभाल कर रखें।

दिवस 7

सर्कल टाइम
8.00 से 8.30

गोल घेरे में गीत, बाल गीत एवं अभिनय , मूक अभिनय, सीखने-सिखाने हेतु माहौल निर्माण का समय।

भाषा की दुनिया
8.30 से 9.00

कहानी लेखन दिवस : सबको कुछ न कुछ अपने मन से लिखना है। कक्षा 1 का भी बच्चा लिख लेता है बस थोड़ी मदद की जरुरत होती है, शिक्षक चाहें तो कुछ बच्चों को लेकर अलग-अलग ढंग से कहानी लेखन कर सकते हैं। शिक्षक एक वाक्य कहें फिर बच्चे उसे आगे बढ़ाते जाएँ। शिक्षक सब की ओर से लिखते जाएँ।

गणित के खेल
9.00 से 9.30

गुणा और भाग : दिवस 2
2-2 बच्चों के 5 समूह बनाना और उनको एकत्रित कर कुल कितने हुए? बताना। कंकड़, पत्थर, लकड़ी द्वारा तथा बार-बार जोड़ना और उसे गुणा करने के आधार तक ले जाना।
कुछ ठोस चीजें जैसे, कंचे, कंकड़, पत्ते के अलग-अलग समूह बनाना और फिर कितने समूह और कितने कंचे/कंकड़/पत्ते हुए यह बताना, जैसे 4-4 पत्तों के 8 समूह मिलाओ तो 32 पत्ते हुए, उसको हम 4 x 8=32 कहते हैं।

इसी तरह भाग के लिए बराबर बांटना, लगातार घटाने की अवधारणा को बता सकते हैं। जैसे 28 को 4 बराबर भाग में बांटना है तो बच्चों को 28 कंचे को 4 अलग-अलग गोलों मे बराबर बाँट कर रखने कह सकते हैं या 28 कंचे/ तीलियों से 4 का समूह कितने बार घटा सकते हैं?
गुणा और भाग की वर्कशीट (कार्यपुस्तिका) का प्रयोग करना और अलग-अलग समूह के स्तर अनुसार कार्य करना।

कला की दुनिया
9.30 से 10.30

कोलाज बनाना - रंगीन कागजों के महीन टुकड़ों को इकट्ठा कर, किसी आकृति के अन्दर उन्हें गोंद से चिपकाते जाना, बच्चे अपनी कल्पना से आकृति बनाएं और चिपकाएँ।
रचनात्मक गृहकार्य - आपको कौन सी कहानी पसंद आयी है? आप इस कहानी को क्यों पसंद करते हैं? घटनाओं को विस्तार से बताएं।

दिवस 8

सर्कल टाइम
8.00 से 8.30

गोल घेरे में गीत, बाल गीत एवं अभिनय, मूक अभिनय, सीखने-सिखाने हेतु माहौल निर्माण का समय।

भाषा की दुनिया
8.30 से 9.00

पठन दिवस : एक कालखंड विभिन्न तरह की पुस्तकों को पढ़ने में बिताना है। छोटे बच्चे पढें, कुछ लिखें, चित्र बनाएँ और लिखें। बड़े बच्चे कहानी को अपने शब्दों में बोलकर बताएं, हाव-भाव से पढ़ें। शिक्षक विभिन्न पुस्तकों व कहानियों पर शुरू में खूब चर्चा करें, रूचि जगाएं, चल रे मटके टम्मक टू जैसी कविता के बारे में चर्चा करें। शिक्षक पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त मुस्कान पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों से गतिविधियां करा सकते हैं।

गणित के खेल
9.00 से 9.30

आकार एवं स्थानिक समझ : दिवस 1
अलग-अलग आकृतियों को काग़ज के माध्यम से दिखाना और उनको बनाने के लिए देना जैसे- वृत/ गोल, चौकोर, त्रिकोण काग़ज से काटकर बनाना।
अलग-अलग समूह को शाला या अपने आस-पास उपस्थित विभिन्न आकृतियों को तलाशने तथा उनकी सूची बनाने को कहना।
2 आयामी औए 3 आयामी आकृतियों वाली चीजों को ढूंढने के लिए 2 अलग-अलग समूह बनाना और उन पर चर्चा करना।

कला की दुनिया
9.30 से 10.30

कागज से कलाकृति निर्माण- जहाज, टोपी, फिरनी, चकरी, गेंद बनाना। अंत में सबको कुछ रचनात्मक गृहकार्य देना। जैसे आपके मम्मी-पापा, दादा-दादी के बचपन के बारे में लिख कर लाइए। वे कहाँ रहते थे? क्या खेल खेलते थे? वे क्या-क्या खाते थे? आदि।

दिवस 9

सर्कल टाइम
8.00 से 8.30

गोल घेरे में गीत, बाल गीत एवं अभिनय, मूक अभिनय, सीखने-सिखाने हेतु माहौल निर्माण का समय।

भाषा की दुनिया
8.30 से 9.00

कविता लेखन दिवस- बच्चों को कविता वाचन कर के सुनाएँ, हाव-भाव के साथ कविता की तुकबंदी, उतार-चढ़ाव, आनंद की अनुभूति करवाएँ, उदाहरण के लिए इब्न-बतूता का जूता कविता का वाचन करें अर्थात उस कविता का पाठ करवाएँ जो उनकी पाठ्य पुस्तकों से अलग हो और जिस कविता के भाव आनंद से भरे हों।

गणित के खेल
9.00 से 9.30

आकार एवं स्थानिक समझ : दिवस 2
अलग-अलग आकृतियों को कागज़ के माध्यम से दिखाना और उनको बनाने के लिए देना जैसे- वृत/गोल, चकोर, त्रिकोण कागज़ से काटकर बनाना।
अलग-अलग समूह को शाला में उपस्थित अलग-अलग आकृतियों को ढूंढने तथा उनकी सूची बनाने को कहना।
2 आयामी औए 3 आयामी आकृतियों वाली चीजों को ढूंढने के लिए 2 अलग-अलग समूह बनाना और और उनपर चर्चा करना।

कला की दुनिया
9.30 से 10.30

मिटटी से कार्य करने के दौरान बने खिलौनों को पेंट करें, सजाएं, कुछ खिलौने मिटटी के मूल रंग में ही रहने दें।
रचनात्मक गृहकार्य - एक कविता लिखें, अपनी पसंद की कविता को नए ढंग से लिखें, उसमें कुछ जोड़ कर लिखें, थोड़ा बदलाव करें, आनंद लें।

दिवस 10

सर्कल टाइम
8.00 से 8.30

गोल घेरे में गीत, बाल गीत एवं अभिनय, मूक अभिनय,सीखने-सिखाने हेतु माहौल निर्माण का समय।

भाषा की दुनिया
8.30 से 9.00

मेरी कल्पना का दिवस : बच्चे अपने-अपने मन से नई रचना करें। शिक्षक उन्हें निम्न तरह से प्रेरित कर सकते हैं - यदि हवा में उड़ने लग जाऊं तो क्या होगा? पानी के ऊपर दौड़ लगाऊँ तो क्या होगा? दीवारों से पार हो जाऊं, जिराफ की तरह लम्बा हो जाऊं, कंगारू की तरह उछल-उछल कर चलूँ तो क्या होगा? आदि।

गणित के खेल
9.00 से 9.30

मापन : दिवस 1-
दूरी, वज़न और आयतन मापन की अलग-अलग इकाई पर बात करना, दूरी, वज़न, आयतन के 3 अलग-अलग समूह बनाकर उनके मापन की अलग-अलग इकाई का सूची बनाने देना और फिर उनको मानक और गैर मानक को छाँटने देना।
शाला की लंबाई और चौड़ाई को पैर, बित्ता (हाथ), कदम से नापना और चर्चा करना, फिर मानक इकाई से उनको नापना और मानक इकाई के महत्व पर चर्चा करना, स्केल और उँगलियों से कॉपी को नापना, बड़ी और छोटी मानक इकाई और उनका इकाई परिवर्तन बताना, जैसे 1 मीटर = 100 सेंटी मीटर।

कला की दुनिया
9.30 से 10.30

रचनात्मक खेल का दिन - तिरी पासा, गोटा, भोट्कुल, अटकन-बटकन, पोशम-पा जैसे लुप्त हो रहे खेलों को खेलना, नियमों को सीखना, शिक्षक साथी बच्चों के माता-पिता, समुदाय की मदद लें। उन्हें शामिल करें।
रचनात्मक गृहकार्य - माँ किस तरह भोजन पकने का अनुमान लगाती है? खाना कितना बनेगा? क्या नाप इस्तेमाल करती है? पापा कितनी दूर काम पर जाते हैं? क्या वे भी खाना बनाते हैं? (नाप, अनुमान आधारित प्रश्न देंगे)

दिवस 11

सर्कल टाइम
8.00 से 8.30

गोल घेरे में गीत, बाल गीत एवं अभिनय , मूक अभिनय, सीखने-सिखाने हेतु माहौल निर्माण का समय।

भाषा की दुनिया
8.30 से 9.00

मेरी कल्पना का दिवस - बच्चे अपने अपने मन से नई रचना करें। शिक्षक उन्हें निम्न तरह से प्रेरित कर सकते हैं - यदि हवा में उड़ने लग जाऊं तो क्या होगा ? पानी के ऊपर दौड़ लगाऊँ तो क्या होगा? दीवारों से पार हो जाऊं, जिराफ की तरह लम्बा हो जाऊं , कंगारू की तरह उछल उछल कर चलूँ तो क्या होगा? आदि।

गणित के खेल
9.00 से 9.30

मापन : दिवस -2
दूरी, वज़न और आयतन मापन की अलग-अलग इकाई पर बात करना, दूरी, वज़न, आयतन के 3 अलग-अलग समूह बनाकर उनके मापन की अलग-अलग इकाई की सूची बनाने देना और फिर मानक और गैर मानक को छाँटने के लिए देना। .
शाला की लंबाई और चौड़ाई को पैर, बित्ता (हाथ), कदम से नापना और चर्चा करना, फिर मानक इकाई से उनको नापना और मानक इकाई के महत्व पर चर्चा करना, स्केल और उँगलियों से कॉपी को नापना,
बड़ी और छोटी मानक इकाई और उनका conversion बताना, जैसे 1 मीटर = 100 सेंटी मीटर.

कला की दुनिया
9.30 से 10.30

कागज से कलाकृति निर्माण : जहाज, टोपी, फिरनी, चकरी, गेंद बनाना। अंत में सबको कुछ रचनात्मक गृहकार्य देना जैसे आपके मम्मी- पापा, दादा-दादी के बचपन के बारे में लिख कर लाइए। वे कहाँ रहते थे? क्या खेल खेलते थे? वे क्या-क्या खाते थे? आदि।

दिवस 12

सर्कल टाइम
8.00 से 8.30

गोल घेरे में गीत, बाल गीत एवं अभिनय , मूक अभिनय, सीखने-सिखाने हेतु माहौल निर्माण का समय।

भाषा की दुनिया
8.30 से 9.00

आनंद दिवस - इस दिन अपने कार्यों को सजा कर, रस्सियों में टांग कर, टेबल पर रख कर जो भी साधन हो उस पर रखकर अपने माता-पिता के साथ साझा करना है, स्थानीय अच्छे गीतों पर नाचना गाना है, सुआ, ददरिया, राउत नाचा आदि गीत भी शामिल करें यथा, उड़िया, पंजाबी, गुजराती, कन्नड़ आदि।

गणित के खेल
9.00 से 9.30

गणित के खेल करवाएँ - पुराने समय के नाप-तौल के बारे में माता-पिता से जानकारी लेकर उन्हें लिखें, प्रस्तुत करें। गाँव में यदि सेर (चावल नापने का बर्तन) उपलब्ध हो तो उसे लाएँ, कोरी क्या है? मन किसे कहते हैं? आदि जानकारियों को एकत्र करें। किलोमीटर और मील को समझें, आदि।

कला की दुनिया
9.30 से 10.30

सांस्कृतिक कार्यक्रम - समर कैंप में विकसित लेखन कार्य, बाल अख़बार, कविता कहानी, मिट्टी के खिलौने आदि को पालकों के लिए प्रदर्शित करना। बच्चों ने यदि जनउला बनाया है तो उसे भी कार्यक्रम के बीच-बीच में पालकों से पूछें, कुछ उनकी कहानियों और कविताओं को भी सुनें।
रचनात्मक गृहकार्य- ग्रीष्म कालीन अवकाश में विभिन्न प्रोजेक्ट कार्य, पठन-लेखन गतिविधियाँ देना और करवाना।

नोट

गोल घेरे की गतिविधियों के लिए बाल गीत का चयन, खेल शिक्षक रूचि अनुसार करेंगे। लुप्त हो रहे बाल गीत, डंडा पचरंगा जैसे खेलों को स्थान दिया जा सकता है। समूह निर्माण का आधार सीखने का स्तर है न कि कक्षा; अतः यह एक बेहतरीन अवसर है जहाँ पर कक्षाओं की सीमा नहीं है, हम सब मिलकर विभिन्न समूहों के साथ कार्य कर सकते हैं। गणित में कुछ-कुछ हिस्सों (जैसे मापन, आकृति, गुणा, भाग आदि) के लिए 2 दिन का समय रखा गया है जिसमें गतिविधियों के नाम लगभग समान है, अतः दूसरे दिन की गतिविधि पहले दिन की निरंतरता में की जानी चाहिए ताकि अभ्यास के मौके मिल सके। गणित की विभिन्न गतिविधियां को विस्तृत रूप से समझने के लिए नीचे दिए गए लिंक फाइल को क्लिक कर सकते हैं।

अपेक्षित प्रतिफल

- ग्रीष्मकालीन अवकाश का पठन-लेखन की निरन्तरता बनाए रखने में योगदान।
- विगत वर्षों में हुए सीखने के नुकसान को कम करने का अवसर।
- सीखने के लिए कक्षा और कक्षा के बाहर भी वातावरण होता है।
- बच्चे छोट-छोटे समूह में कार्य करना सीखते हैं।
- शिक्षक साथियों के लिए अलग-अलग स्तरों के बच्चों के साथ कार्य करने का अवसर।
- विभिन्न विषयों का एक दूसरे के पूरक होना।

इसी तरह गणित की **विभिन्न अवधारणाओं पर बच्चों के साथ कार्य करने के लिए गतिविधियाँ नीचे दिए गए लिंक में हैं**, जिसे आप क्लिक कर अलग-अलग अवधारणाओं के लिए रोचक गतिविधि पढ़ सकते हैं और अपनी जरुरत के अनुसार इसे बच्चों के साथ क्रियान्वित कर सकते हैं। –

तुलना और क्रम	भाग	मापन
ज्यामितीय 2D-आकृति	हाट बाज़ार और गणित	पहेलियाँ (Puzzle)
क्षेत्रफल	भिन्न	समय